कभी अगर ऐसा हुआ हैं तो यह प्रक्टिस क्यों बनने जा रही हैं । धीरे-धीरे यह हाउस अपनी कन्वेंशन छोड़ता जा रहा हैं । हमारा हाउस बहुत ज्यादा आधारित कन्वेंशनों पर हैं,रूल्स मे कुछ चीजें नहीं भी लिखी हुई हैं। लेकिन मैं यह प्रैस करना चाहूंगा कि ऐसी बात नहीं होनी चाहिए जिससे यह आभास बने कि हम शायद कन्वेंशन को बंद करके परम्परा डाल रहे हैं। मैं इस पर अपना आब्जेक्शन रेज करता हूं।

†**سید سبط رضی**:اگر پہلی بار ایسا نہیں ہو رہا ہے تو ہم پریکٹس کو اڈاپٹ کرنے جا رہے ہیں۔ کہ ہم جمعہ کو نہیں اٹھا کر ینگے۔ میں سمجھتا ہوں آپ چیئر پر ہیں اور یہ سینسیٹیو و ایشو ہے۔ ہمیشہ ایسا ہی رہا ہے۔ اگر پہلی بار نہیں ہے اس سے پہلے بھی ہوا ہے تو ہمیں اس پر زیادہ تو جہ دینی چاہئے۔میں سمجھتا ہوں کہ ایکسیپشنل کبھی اگر ایسا ہوا ہے تو یہ پریکٹس کیوں بننے جارہی ہے۔ دھیرے دھیرے یہ ھاؤس اپنی کنوینشن چھوڑ تا جا رہا ہے۔ ہمارا ہاؤس بہت زیادہ آدھارت کنوینشن پر ہے، رولس میں کچھ چیزیں نہیں بھی لکھی ہوئی ہیں۔ لیکن میں یہ پریس کرنا چاہونگا کی ایسی بات نہیں ہونی چاہئے جس سے یہ آبھاس بنے کی ہم شاید کنویشن کو بند کرکے پرمپرا ڈال رہے ہیں۔ میں اس پر اپنا آبجیکشن ریزکرتا ہوں۔

उपसभापति: आप अपना आब्जेक्शन रेज कीजिए । आपको अख्तियार हैं । आप गण्य –मान्य सदस्य हैं । अगर जब मैं आब्जेक्शन रेज कर रही थी कि इस मामले को जल्दी खत्म कीजिए ताकि हम आगे का बिजनैस कर सकें तो उस वक्त किसी ने मेरा साथ नहीं दिया । आप बताइये मैं क्या करूं । जिसको खाना खाना हैं वह खाना खा ले,जिस को पूजा-पाठ करना हैं,नमाज पढ़नी हैं वह नमाज पढ़ लें और जिसको काम करना हैं वह काम करे ।

मौलाना ओबैदुल्ला ख़ान आज़मी: आपको ऐसा नहीं करना चाहिए,यह गलत बात हैं ।....(**व्यवधान**)

†**مولانا عبیداللہ خاں آعظمی** : آپکو ایسا نہیں کرنا چاہئے۔ یہ غلط بات ہے۔...مداخلت"...

उपसभापति: देखिए,हम हाउस एडजर्न करते हैं लंच के लिए । लंच आवर में आप फ्री हैं आप चाहे जो करें । खाना खाइए,ना खाइए,आप कुछ भी कर सकते हैं । कृपाया इस तरह की बातें न करें । जिसको बोलना हैं वह बोले,जिसको नहीं बोलना हैं वह न बोले । जो जाना चाहे वह जा सकता हैं । मैं मजबूर नहीं कर रही हूं । जिसको बोलना हैं बोले और जिसको न बोलना हो न बोले । धन्यवाद ।

श्रीमती सुषमा स्वराज: महोदया,...

श्री माखनलाल फोतेदार: अब क्या फैसला हुआ ?

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Hoiw is supreme. I am noi supreme. I am just a custodian of this House. I! the House agrees, I agree. We have broken conventions and we have made conventions. I am only a custodian ot this House. I should not be misunderstood by anybody.

RE: KILLING OF FARMERS AT BHIWANI IN HARYANA

श्रीमती सुषमा स्वराज(हरियाणा): महोदया,वैसे तो जुल्म और ज्यादती के लिए,पक्षतापूर्ण तरीके से और अनुचित तरीके से काम करने के लिए हरियाणा की सरकार बहुत कुख्यात हैं । किन्तु परसों जिस तरीके से हरियाणा के भिवानी जिले के कादमा गांव में हरियाणा सरकार की पुलिस ने निहत्थे किसानों पर अंधाधुंध फायरिंग करके किसानों को मारने का काम किया हैं,इससे हरियाणावासियों का माथा शर्म से झुक रहा हैं और मन दर्द से कराह रहा हैं । महोदया,पिछले करीब दो सालों सें ....(**व्यवधान**)

[]Trnnsliteration in Arabic script

उपसभापति: उनको बोलने दीजिए ।....(**व्यवधान**)..रामजी लाल मैं आपको बुलाऊंगी,आपका नाम हैं । मैं आपको बुलाऊंगी,आपका नाम हैं । मैं आपको बुलाऊंगी । ....(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: मुझे बोलने दीजिए । वह बीच में क्यों खड़े हो रहे हैं । ....(**व्यवधान**)...

उपसभापति: आप कोई ऐसी बात कह रही होंगी जिससे उन्हें बीच में खड़ा होना पड़ रहा होगा । ....(**व्यवधान**)...

श्री एस.एस.सुरजेवाला: आप गलत बात कर रही हैं इसलिए खड़े हो रहे हैं । ....(**व्यवधान**)...

श्री मोहम्मद सलीम: इसका मतलब यह नहीं हैं कि उनको बोलने न दिया जाए । किसी को बोलने से रोकने का हक आपको नहीं हैं । ....(**व्यवधान**)...

†**شری محمد سلیم**: اسکا مطلب یہ نہیں ہے کہ انکو بولنے نہ دیا جائے کسی کو بولنے کیلئے روکنے کا حق آپکو نہیں ہے..."مداخلت"...

श्रीमती सुषमा स्वराज: महोदया,मैं तथ्य सामने रख रही हूं । अगर मैं गलत तथ्य रखूं तो रामजीलाल का नाम इसमें हैं,वे उस वकत बता दें कि ये तथ्य गलत हैं ।

उपसभापति: आप जरा संक्षेप में बोलिए । ....(**व्यवधान**)

श्रीमती सुषमा स्वराज: अब तक तो मैं अपनी बात खत्म कर भी देती ।

महोदया,पिछले दो वर्षो से वहां लगभग 20 गांवों के किसानों ने संघर्ष समिति बना रखी हैं । उनका यह कहना हैं कि खेतों को दी जानी बिजली सस्ती मिलनी चाहिए या नि:शुल्क मिलनी चाहिए । इसके ऊपर वह संघर्ष कर रहे हैं । करीब पिछले डेढ़ वर्षो से यह संघर्ष चल रहा हैं । उन्होंने बिजली के बिल नहीं भरे यह तथ्य हैं, यही आप कहना चाहते हैं ना,इससे कोई इंकार नहीं कर सकता । बिजली के बिल न भरने के कारण वहां के प्रशासन ने पुलिस की मदद से इन 20 गावों के बिजली के कनेक्शन काट दिए,यह भी ठीक हैं । जब बिजली के कनेक्शन काट दिए जो उस संघर्ष समिति ने ऐलान किया,कल की तारीख का अल्टीमेटम दिया कि 4 बजे तक हमारे कनेक्शन जोड़ दिए जांए वरना हम कोई सीधी कार्यवाही करेंगे । जो 4 बजे तक अल्टीमेटम का समय था,उस समय पर वे बिजली के दफ्तर में आ गए और करीब 5-6 हजार की संख्या में वहां इकट्ठे हो गए । ....(**व्यवधान**)...बोलने तो दो । कमाल हैं,आप बीच में नहीं बोल सकते । आपको बोलने का टाइम दिया जाएगा । ....(**व्यवधान**)...

उपसभापति: रामजीलाल जी,अगर आप अपने टाइम पर बोलिए,आपको भी बोलने का मौका मिलेगा ।

....(**व्यवधान**)

श्रीमती सुषमा स्वराज: मैं कब कह रही हूं कि नि:शुल्क बिजली दी जाय । मैं नि:शुल्क बिजली की वकालत नहीं कर रही हूं । राजस्थान की सरकार ने किसानों को मारा नहीं हैं । मैं केवल इसकी बात कर रही हूं । वह बात आप मुझे करने देंगे या नहीं करने देंगे ? मैं बिल्कुल नि:शुल्क बिजली देने की वकालत नहीं कर रही हूं । मैं तथ्य यह रख रही हूं कि जब वे वहां पर इकट्ठे हो गए तो इससे पहले कि किसान कुछ भी करते वहां पर खड़ी पुलिस फोर्स ने पहले उन पर लाठी चार्ज किया,आंसू गैस छोड़ी और बिना चेतावनी दिये उन निहत्थे किसानों पर अंधाधुंध गोलियां चलानी शुरू कर दी,फायरिंग कर दी । सरकार के मुताबिक वहां चार लोग मरे,अखबारों के मुताबिक 6 लोग मरे लेकिन मेरी अपनी जो प्रामाणिक जानकारी हैं,उनके मुताबिक 8 लोग अब तक मर चुके हैं और 50 लोग बुरी तरह घायल हैं । कोई शक नहीं अगर मरने वालों की संख्या 10 या 12 तक पहुंच जाए । जो घायल अस्पताल में पड़े हैं उनमें से 3-4 की हालत बहुत नाजुक हैं ।

मैं यह पूछना चाहती हूं,आप तो स्वंय बिजली मंत्री रहे हैं,वहां,नि:शुल्क बिजली मत दीजिये लेकिन कम से कम निहत्थे किसानों पर गोली मत चलाइये । एक समय था महोदया इस देश के अन्दर जब एक राउंउ गोली फायर हुई थी तो डा.लोहिसा ने अपनी सरकार को कहा,निर्देश दिया था कि तुम्हें इस्तीफा दे देना चाहिये क्योंकि प्रजातांत्रिक देश के अन्दर कोई सरकार अपने नागरिकों पर गोली नहीं चला सकती ।एक वह समय था । हिन्दुस्तान के अन्दर और आज रोज़ गोली चलती हैं सरकार बनी रहती हैं । जिस तरह से वहां लोगों को कहा गया,घायल किया गया,एक आठ साल की बच्ची की आंसू गैस चलने के कारण आंखे चली गई,यह हालात वहां हुए हैं । क्या कोई सदन का आदमी बैठा हुआ इसकी भी वकालत कर सकता हैं? आप विद्युत मंत्री रहे हैं,आप हरियाणा के वासी हैं,कादमा में जो फायरिंग हुई,क्या आप उसकी वकालत कर सकते हैं? 8 लोगों की मौत हुई हैं,क्या आप इसकी वकालत कर सकते हैं? एक लड़की की आंखे चली गई है;क्या इसकी वकालत कर सकते हैं? मैं नहीं कहती कि आप नि:शुल्क बिजली दीजिये,मैं नहीं कहती कि आप सस्ती बिजली दीजिये जो आपको करना हो वह करिये: लेकिन यह गांधी

का देश हैं,यहां लोग अपनी मांग के समर्थन में प्रदर्शन करेंगे,उनको यह अधिकार हैं,गांधी जी ने हमें यह सिखाया हैं । लेकिन निहत्थे किसानों पर प्रदर्शन करने के लिए इकट्ठे हुए किसानों पर बिना चेतावनी दिये गोलियां चलाई जाएं,8 लोगों को मौत के घाट उतार दिया जाए,एक लड़की को आंसू गैस से अंधा कर दिया जाए,इसकी वकालत कौन कर सकता हैं? गृह मंत्री जी मेरे सामने बैठे हुए हैं,मैं आपके माध्यम से पूरे सदन के सामने उनसे दरख्वास्त करना चाहती हूं कि इस तरह की सरकार को तुंरत बर्खास्त किया जाए । एक क्षण भी वह सरकार बने रहने के काबिल नहीं हैं जो अपनी निहत्थे नागरिकों पर गोलियां चला कर के मौत के घाट उतारती हैं । तुंरत यहां के निर्देश जाना चाहिये भजन लाल सरकार को बर्खास्त करना चाहिये तभी कादमा में हुई फायरिंग के अन्दर लोगों को चैन की सांस मिल सकेगी वरना नहीं मिल सकेगी । इतना ही मुझे कहना हैं । धन्यवाद ।

उपसभापति: श्री मोहम्मद सलीम ।

श्री मोहम्मद सलीम: आपने मोहम्मद सलीम कहा या रामजीलाल ?

उपसभापति: मैंने नाम तो मोहम्मद सलीम बुलाया था । रामजी लाल जी बाद में बोलेंगे।

श्री मोहम्मद सलीम(पश्चिम बंगाल)**:** मैडम,मैं ज्यादा लंबी बात नहीं कहूंगा । सुषमा जी ने जो बात उठाई हैं,हमें परसों उसकी खबर मिली थी । हमें यह खबर मिली कि ऐसा हंगामा हुआ हैं और गोली भी चली हैं । कल सुबह पता चला कि कुछ लोग मारे गये हैं,यह पता नहीं चला कि कितने मरे हैं । सुबह हमें बताया गया कि तीन लोग मारे गये हैं,इससे ज्यादा भी कर सकते हैं,इसलिए आप को यह मामला सदन में उठाना चाहिये । मैडम,जीरो-अवर के आजकल हमने नियम ऐसे बना दिये हैं कि अगर कोई घटना घट जाए तो फौरन उसको उठा नहीं सकते हैं क्योंकि कल के बहुतसे जीरो-आवर मेंशन ओर स्पेशल मेंशन पेंडिंग थे । इसलिए आज इस बात को उठाने का मौका मिला हैं । सबसे शर्मनाम मामला यह नहीं हैं कि हरियाणा पुलिस,हरियाणा की हकूमत से जो वहां बिजली मांग रहे थे । प्रोटेस्ट कर रहे थे,शान्तिपूर्ण तरीके से प्रोटेस्ट कर रहे थे उनको गोली चला कर मार दिया,शर्म तो इस बात की हैं कि इस सदन में कोई सदस्य यह कहे कि उनके ऊपर बकाया पड़ा हुआ था इसलिए गोली मार दी । (**व्यवधान**)

श्रीमती सुषमा स्वराज: यह रामजी लाल कह रहे हैं ।(**व्यवधान**)

[]Transliteration in Arabic script.

श्री मोहम्मद सलीम: यह शर्मनाक बात हैं । हम इस तरह से डिफेंस नहीं करना चाहते हैं । हकूमत वहां आज भजन लाल की हैं,कांग्रेस पार्टी की हैं,दूसरी रियासत में किसी भी पार्टी की हकूमत हो सकती हैं । हरियाणा के बारे में कल काफी दस्तावेज दे रहे थे,हो सकता हैं देवी लाल का नाम कह रहे थे,आज भजन लाल हैं लेकिन यह आप कौन सी संस्कृति बना रहे हैं हकूमत चलाने की,सरकार चलाने की किसान अपने थे,उनकी जायज़ मांग हैं बिजली का संकट हो रहा हैं पूरे देश में । आप आहिस्ता-आहिस्ता बिजली मल्टीनेशनल्ज को दे देंगे । कल को रोड्स भी मल्टीनेशन को देने वाले हैं और दूसरे दिन यह बताएंगे कि फ्रांस क्रास के लिए किसान रास्ता नहीं दे रहे हैं,इसलिए गोली चला कर उनको मार दिया गया । हम किस जगह पर जा रहे हैं ? हमारा अपना भी कुछ फ़र्ज बनता हैं सरकार की हैसियत से हमारे गवर्नेंस के कुछ अपने तरीके हो सकते हैं । इससे पहले भी एक दफा गोली चलाई गई थी । आज भिवानी में मौत हुई हैं,उस वक्त ईंट भट्टे के मजदूर अपने रेट बढ़ाने के लिए मांग कर रहे थे । उनके ऊपर गोली चला कर मार दिया गया । यह घटना जिंद में हुई थी । मैं भी वहां पर गया था तो पुलिस यह कह रही थी कि क्या आप बिहार के हैं । मैंने कहा नहीं । उन्होंने कहा कि क्योंकि मजदूर बिहार के हैं । यह इतना शर्मनाक मामला हैं कि पुलिस अफसर हमससे पूछ रहे हैं मेरे नाम को देख कर और मेरी ज़बान सुन कर के कहते हैं कि आप बिहार के हैं । मैंने बोला,नहीं । उनका कहना यह था कि मज़दूर तो बिहार के थे ।यह शर्मनाक मामला हो रहा हैं । इसलिए मैंने बोला कि यह किसान तो हरियाणा के थे । सवाल यह पैदा होता हैं कि यह सवाल हरियाणा का या बिहार का नहीं हैं,हम जो हकूमत चलाने वाले लोग हैं,हमने उनको जो वर्दी दी हैं,हमने उनको औजार दिये हैं क्या हम उनको यह भी सिखा रहे हैं,शिक्षा दे रहे हैं,तरीका बता रहे हैं कि किस तरह से भीड़ को कंट्रोल करना चाहिये । मुठभेड़ हो जाए तो किस तरह से कंट्रोल करना चाहिये । प्रोटेस्ट हम रोज़ दिल्ली में देखते हैं किस तरह से पुलिस वाले हमारे प्रोटेस्टर्ज़ को कंट्रोल करते हैं ।डेमाक्रेसी में प्रोटेस्ट तो होंगे ही,कभी जायज मांग पर होंगे तो कभी नाजायज़ मांग पर होंगे ।

लेकिन जो डेमाक्रेटिक तरीक से प्रोटेसट करने का तरीका हैं जहां लोग इकट्ठे होंगे उनको डील करने का अपना एक तरीका हैं । चाहे स्टेट गवर्नमेंट हो चाहे सेंट्र गवर्नमेंट हो,पुलिस अथारिटीज हों या डिसिप्लन इन्फोर्स करने वाली अथारिटीज हों अगर उनको सही तरीका मालूम नहीं होगा तो ये हम लोगों को बाध्य करते हैं कि तुम ऐसा तरीका अपनाओं जो डेमोक्रेटिक तरीका नहीं हैं । छिपकर आओ और कहीं छिपकर एक्सप्लोजन कर दों,कुछ और तरीका

अपना लो । तो आप कौन सा सिग्रल दे रहे हैं लोगों को । आपको कहना पड़ेगा कि नहीं,आपके साथ कुछ नाजायज हुआ हैं,अगर आपको कोई क्षोभ हैं तो आप आएं,हम आपसे मिलने के लिए तैयार हैं,बात करने के लिए तैयार हैं । जब वह दूसरा बहुत सार अनडेमाक्रेटिक तरीका अपना लेगा तब आप स्पेशल प्लेन से,बी.एस.एफ.के प्लेन से जाकर बोलेंगे,आओं,हम तुमसे बात करते हैं,एकार्ड करते हैं । जब वे खुद आपके पास आएंगे,आपके दफ्तर में आएंगे,मंत्री के पास,डिस्ट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट के पास कि हमारा यह सवाल हैं,इस सवाल को सुनों उस वक्त आप पर गोली चला देंगे तो यह सही नहीं हैं । खासकर में सैंट्रल गवर्नमेंट से कहूंगा कि हरियाणा दिल्ली से बहुत नजदीक हैं । हरियाणा तो हुकूमत चलाने का जो तरीका हैं उसका एक सिम्बल बन रहा हैं । इसलिए आप इसको देखें । वहां की हुकूमत से पूछें,सरकार से पूछें । ऐसा नहीं होना चाहिए । किसान को अगर पानी नहीं मिले,बिजली नहीं मिले, खाद नहीं मिले तो वे आएंगे,सवाल उठाएंगे । जो लोग कहते हैं कि हम किसान की सरकार हैं,किसानों की पार्टी हैं,उनके नेता हैं उनको इस तरीके से डिफेंड नहीं करना चाहिए कि बकाया पड़ जाएगा तो गोली चला देंगे । धन्यवाद ।

†شری محمد سلیم "پشمی بنگال": میڈم۔ میں زیادہ لمبی بات نہیں کہونگا۔ سشما جی نے جو بات اٹھائی ہے۔ ہمیں پرسوں اسکی خبر کی تھی۔ ہمیں یہ خبر ملی کہ ایسا ھنگامہ ہوا ہے اور گولی بھی چلی ہے۔ کل صبح پتہ چلا کہ کچھ لوگ مارے گئے ہیں۔ یہ نہیں پتہ چلا ہے کہ کتنے مارے گئے ہیں۔ صبح ہمیں بتایا گیا۔ کہ تین لوگ مارے گئے ہیں۔ اس سے زیادہ بھی مر سکتے ہیں۔ اسلئے یہ معاملہ سدن میں اٹھانا چاہئے۔ میڈم۔ زیرو آور کے آجکل ہم نے نیم ایسے بناوئے ہیں کہ اگر کوئی گھٹناگھٹ جائے تو فوراہم اسکو اٹھا نہیں سکتے ہیں۔ کیونکہ کل کے بہت سے زیرو آور مینشن اور اسپیشل مینشن پینڈنگ تھے۔اسلئے آج اس بات کو اٹھانے کا موقع ملا ہے۔ سب سے شرمناک معاملہ یہ نہیں ہے کہ ہریانہ پولیس۔ ہریانہ کی حکومت نے جو بجلی مانگ رہے تھے۔ پروٹسٹ کر رہے تھے۔ شانتی پورن طریقے سے جو پروٹسٹ کرر ہے تھے۔ انکو گولی چلا کر مار دیا۔ شرم تو اس بات کی ہے کہ اس سدن میں کوئی سدسیئے یہ کہے کہ انکے اوپر بتایا پڑا ہوا تھا اسلئے گولی ماردی ..."مداخلت"...

†شریمتی سشما سوراج: یہ رام جی لال کہہ رہےہیں..."مداخلت"...

شری محمد سلیم: یہ شرمناک بات ہے۔ ہم اسطرح سے ڈفینس نہیں کرنا چاہتے ہیں۔ حکومت وہاں آج بھجن لال کی ہے۔کانگریس پارٹی کی ہے دوسری ریاست میں کسی بھی پارٹی کی حکومت ہو سکتی ہے۔ ہریانا کے بارے میں کل کافی دستاویز دے رہے تھے، ہو سکتا ہے دیوی لال کا نام کہہ رہے تھے،آج بھجن لال ہے لیکن یہ آپ کونسی سنسکرتی بنا رہے ہیں حکومت چلانے کی۔ سرکار چلانے

[]Transliteration in Arabic script.

ہوتا ہے۔کہ یہ سوال ہریانہ کا یا بہار کا نہیں ہے۔ ہم جو حکومت چلانے والے لوگ ہیں ہم نے انکو جو وردی دی ہے۔ ہم ن انکو جو اوزار دیئے ہیں کیا ہم انکو یہ بھی سیکھا رہے ہیں شکسا دے رہے ہیں۔ طریقہ بتار ہےہیں۔ ک کسطرح سے بھیڑ کو کنٹرول کرنا چاہئے۔مڈبھیڑ ہو جائے تو کسطرح سےکنٹرول کرنا چاہئے۔پروٹیسٹ ہم روز دہلی میں دیکھتے ہیں ۔ کہ کسطرح سے پولیس والے ہمارے پروٹسٹرز کو کنٹرول کرتے ہیں۔ڈیموکریسی میں پروٹسٹ تو ہونگے ہی۔ کبھی جائز مانگ پر ہونگے۔ لیکن جوڈیموکریٹک طریقہ سے پروٹسٹ کرنے کا طریقہ ہے۔ جہاں لوگ اکٹھے ہونگے ۔ اسکو ڈیل کرنے کا اپنا ایک طریقہ ہے۔ چاہے اسٹیٹ گورنمنٹ ہو چاہے سینٹر گورنمنٹ ہو۔ پولیس اتھوریئز ہوں یا ڈسپلن انفورس کرنے والی اتھارٹیز ہوں۔اگر انکو صحیح طریقہ معلوم نہیں ہوگا۔ تو ہم لوگوں کو بادھیہ کرتے ہیں کہ تم ایسا طریقہ اپناؤ جو ڈیموکریٹک طریقہ نہیں ہے۔ چھپکر آؤ اور کہیں چھپکر ایکسپلوزن کردو۔ کچھ اور طریقہ اپنا لو۔ تو آپ کونسا سنگنل دے رہے ہیں لوگوں کو آپکو کہنا پڑیگا کہ نہیں ۔ آپکے ساتھ کچھ ناجائز ہوا ہے۔ اگر آپکو کوئی شوبھہ ہے تو آپ آئیں۔ کی۔ کسان اپنے تھے۔ انکی جائز مانگ ہے۔ بجلی کاسنکٹ ہو رہا ہے پورے دیش میں آپ آہستہ آہستہ بجلی ملٹی نیشنلائز کو دیدینگے۔ کل کو روڈ بھی ملٹی نیشنلائز کو دینے والے ہیں۔ اور دوسرے دن یہ بتایئگے کہ کر اس کرنے کیلئے کسان راستہ نہیں دے رہے تھے۔ اسلئے گولی چلاکر انکو مار دیاگیا۔ ہم کس جگہ پر جارہے ہیں۔ ہمارا اپنا بھی کچھ فرض بنتا ہے سرکار کی حیثیت سے۔ ہمارے گورنیس میں کچھ اپنے طریقے ہو سکتے ہیں۔ اس سے پہلے بھی ایک دفعہ گولی چلائی گئی تھی۔ آج بھوانی میں موت ہوئی ہے۔ اس وقت اینٹ بھٹے کے مزدور اپنے ریٹ بڑھانے کیلئے مانگ کر رہے تھے۔ انکے اوپر گولی جلاکر ماردیاگیا۔یہ گھٹنا جند میں ہوئی تھی۔میں بھی وہاں پر گیا تھا۔ تو پولیس یہ کہہ رہی تھی کہ آبہار کے ہیں۔میں نےکہا نہیں۔ انھوں نےکہا کیونکہ مزدور بہار کے ہیں۔یہ اتنا شرمناک معاملہ ہے کہ پولیس افسر ہم سے پوچھ رہے ہیں۔ میرے نام کو دیکھکر اور میری زبان سنکر کےکہتے ہیں کہ آپ بہار کے ہیں۔میں نے بولا نہیں۔ انکاکہنا تھاکہ مزدور بو بہار کے تھے۔ یہ شرمناک معاملہ ہو رہا ہے۔ اسلئے میں نے بولا کہ یہ کسان تو ہریانہ کے تھے۔ سوال یہ پیدا

م آپ سے ملنے کیلئے تیار ہیں۔ بات کرنے کیلئے تیار ہیں جب وہ دوسرا بہت سا ان ڈیموکریٹک طریقہ اپنا لیگا۔ تب آپ اسپیشل پلین سے۔بی۔ ایس۔ایف۔کے پلین سے جاکر بولیں گے۔ آو ہم تم سے بات کرتے ہیں۔ ایکارڈ کرتے ہیں۔ جب وہ خود آپکے پاس جائینگے۔ آپکے دفتر میں آیئنگے۔ منتری کے پاس ۔ڈسٹرکٹ مجسٹریڈ کے پاس کہ ہمارا یہ سوال ہے۔ اس سوال کو سنو۔اسوقت آپ ان پرگولی چلا دینگے تو یہ صحیح نہیں ہے۔ خاصکر میں سیئرل گورنمنٹ سے کہونگا کہ ہریانہ دلی سے بہت نزدیک ہے ہریانہ کا حکومت چلانے کا جو طریقہ ہے اسکا سمپل بن رہا ہے۔ اسلئے آپ اسکو دیکھیں۔ وہاں کی حکومت سے پوچھیں۔ سرکار سے پوچھیں۔ ایسا نہیں ہونا چاہئے۔ کسان کو اگر پانی نہیں ملے۔بجلی نہیں ملے کھاد نہیں ملے۔ تو وہ آئینگے۔ سوال اٹھائینگے۔ جو لوگ کہتے ہیں کہ ہم کسان کی سرکار کسان کی پارٹی ہیں۔انکے نیتا ہیں۔انکو اس طریقہ سے ڈفینڈ نہیں کرنا چاہئے۔ بقایا پڑ جائیگا۔ توگولی چلا دینگے۔ دھنیہ واد۔

श्री रामजीलाल (हरियाणा): महोदया,अभी मेरे से पहले माननीय सदस्य सुषमा स्वराज जी और माननीय मोहम्मद सलीग जी ने बात आपके सामने रखी। मैं पांच मिनट बोलूंगा। मेरे बीच में न बोलें।

आदरणीय सदस्या और मोहम्मद सलीम जी को वह पता नहीं हैं कि कादमा कहां हैं,कितने किलोमीटर पर हैं। ....(**व्यवधान**)

श्रीमती सुषमा स्वराज: हमें यह पता नहीं हैं कि कादमा कहां हैं । ....(**व्यवधान**) । मैं चार बार कादमा गयी हूं ....(**व्यवधान**)

श्री रामजीलाल: कहां पर हैं,क्या हैं,आपको मैं बताता हूं।

श्रीमती सुषमा स्वराज: मैडम,आप यह कहने देगी कि हमें यह पता नहीं कि कादमा में क्या हुआ। इनको पता हैं ?

श्री रामजीलाल: आप बताइये कि भिवानी से कितने किलोमीटर पर हैं....(**व्यवधान**)

श्रीमती सुषमा स्वराज: मैं चार बार वहां शिक्षा मंत्री के तौर पर काम करके आई हूं (**व्यवधान**)....

श्री रामजीलाल: आप बताइए भिवानी से कितना दूर हैं,वहां कितने हाई स्कूल हैं या स्कूल हैं । आप बताइए,फिर मैं बताऊंगा ....(**व्यवधान**)

श्री मोहम्मद सलीम: वे पूछ रहे हैं कि कितने हाई स्कूल हैं,स्कूल हैं या नहीं हैं ....(**व्यवधान**)

श्री रामजीलाल: मैं छोड़ता हूं ... .(**व्यवधान**)

उपसभापति: अच्छा इसमें लड़ाई झगड़ा मत करिए।

श्री रामजीलाल: मैं उसी जिले का हूं जहां यह घटना हुई ....(**व्यवधान**)

मैं वहीं का रहने वाला हूं। आज से तीन साल पहले साढ़े तीन सौ गांवों में उपभोक्ताओं ने बिजली के बल नहीं भरे फिर यहां मीटिंग हुई,केन्द्र में साल्वे जी ने मीटिंग ली थी और यह फैसला किया था कि ट्यूबवेल की कोई बिजली 50 पैसे यूनिट से कम नहीं होगी सारे देश में।

तो हरियाणा सरकार नहीं चाहती थी इसे बढ़ाना,लेकिन ऊपर की वजह से था चूंकि बिजली में बड़ा घाटा हैं । साढ़े तीन सौ गांवों ने बिल रोक लिए । हमारे मुख्य मंत्री जी ने और मिनिस्टरों ने मीटिंग की । वह सारा उन सबको समझाया । उसमें 60-70 गांव रह गए । बाकी सबने बिल देना शुरू कर दिया । मुख्य मंत्री जी ने भिवानी में,बादड़ा में पब्लिक मीटिंग में उनको समझाया कि बिजली दो रूपए यूनिट हम सेंटर से लेते हैं और 50 पैसे में देते हैं इसलिए बिजली के बकाया बिलों की अदायगी करें । 150 करोड़ रूपए बकाया हैं वहां । आप अदांज लगाइये । दुर्घटना जो हुई उसका हमें खेद हैं । दुखपूर्ण हैं । कोई इस नीयत से नहीं करता ।

श्रीमती सुषमा स्वराज: दुर्घटना नहीं हुई,जानबूझकर मारा हैं । दुर्घटना नहीं हैं । ऐसा मत कहें **....(व्यवधान)**

श्री रामजीलाल :अब कहानी ऐसी हो गयी **....(व्यवधान)**तब मुख्य मंत्री जी और पावर मिनिस्टर के समझाने के बाद बोर्ड ने नोटिस दिया और नोटिस में एक हफ्ते का समय दिया और कहा यदि बिल नहीं भरे जाएंगे तो कनेक्शन काट दिए जाएंगे या तो बिल भरो,चाहे किश्तौ में भरो,6 किश्तों या 9 किश्तै में लेकिन किसी तरह से भरो । लोग किसी से नहीं मान रहे थे । एक हफ्ते का समय बीत गया,तब कनेक्शन काट दिए गए । फिर क्या हुआ । वहां पर लोग इकट्ठे हो गए । इकट्ठे होकर बिजली बोर्ड के जितने कर्मचारी थे उसको बंधक बना लिया । जबर्दस्ती उन्होंने कनेक्शन जुड़वाए और अल्टीमेटम दे दिया कि शाम के चार बजे तक अगर बिजली नहीं दोंगे पावर हाउस से तो हम इसको जला देंगे । महोदया,चार बजे से पहले सारे लोग इकट्ठे हो गए । बड़ा भारी माब हुआ और बिजलीघर को जलाने के लिए वहां पहुंच गए । उस बिजलीघर को जलाने से बचाने और उन आदमियों को मारने से बचाने के लिए पुलिस आई । पुलिस के 26 कर्मचारी भी घायल हुए हैं । पथराव तक उन्होंने कर दिया **....(व्यवधान)**

श्रीमती सुषमा स्वराज: यह बिल्कुल गलत हैं । जलाने के लिए पैट्रोलियम पदार्थ होने चाहिए **....(व्यवधान)**ये बिल्कुल गलत बयानी कर रहे हैं । कोई बिजलीघर जलाने नहीं गए थे **....(व्यवधान)**

श्री रामजीलाल: 26 कर्मचारियों को वोट लगी हैं । पुलिस ने बचाव किया तो पुलिस के ऊपर हमला बोल दिया । उसका बचाव उन्होंने किया । इसका हमें दुख हैं । लेकिन मैं आपको बताना चाहूंगा कि 150 करोड़ रूपया बकाया हैं । मेरा टेलीफोन का बिल मुझे नहीं पहुंचा,23 हजार रूपए मैंने भरे । सारे हाउस ने मेरी मदद की । आज अगर कोई टेलीफोन का या बिजली का बिल या मैं कहूं हमारी कोठी हैं किसी एम.पी.की **....(व्यवधान)**

श्रीमती सुषमा स्वराज: जरा उनसे पूछिए कि उद्योगपतियों का कितना बकाया हैं । हजारों करोड़ रूपए का उनका बकाया हैं **....(व्यवधान)**

श्रीमती सुषमा स्वराज: उनको घर में बैठा कर चाय पिलाते हैं **....(व्यवधान)**उद्योगपतियों **....(व्यवधान)**उन्होंने कितने कर्जे देने हैं **....(व्यवधान)**

उपसभापति: सुषमा जी **....(व्यवधान)**

श्रीमती सुषमा स्वराज: किसानों पर **....(व्यवधान)**आप उन्हें गोलियां मारते हैं । **....(व्यवधान)**

श्री रामजीलाल: हम अगर आप **....(व्यवधान)**सारा सदन,टेलीफोन एक्सचेंज पर या बिजली बोर्ड पर हमला करते हैं **....(व्यवधान)**

उपसभापति: एक मिनट,रामजीलाल । सुषमा जी,मैंने आपकी बात सुनवाई और किसी को इंटरप्ट करने नहीं दिया ।वह कह रहे थे मैंने मना किया **....(व्यवधान)**

श्रीमती सुषमा स्वराज: मगर वह गलतबाजी कर रहे हैं । **....(व्यवधान)**

उपसभापति: आप बैठिए । आप बैठिए भी **....(व्यवधान)**वह सवाल बाद में पूछिए **....(व्यवधान)** एक मिनट आप बैठिए । वह अगर गलत बात कह रहे हैं तो उसको रेकार्ड में आने दीजिए । फिर बाद में उस पर कुछ कहिएगा । **....(व्यवधान)**

श्रीमती सुषमा स्वराज: मगर वह जो कह रहे हैं **....(व्यवधान)**

उपसभापति: आप बैठिए ना,आप बैठिए । **....(व्यवधान)**

श्रीमती सुषमा स्वराज: मैं पूछ रही हूं कितना कर्जा हैं उन पर **....(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: This will come up. *(Interruptions)..You are not listening to me. ... (Interruptions)..* .This is very unfair, Sushmaji. Let him make his point.. *{Interruptions)*

जो लोग अपने कनैक्शन जुड़वाने आए हैं वे अगर बिजली घर को जला देंगे तो फिर कनैक्शन जोड़ने का फायदा क्या हुआ । तो मैं उनसे पूछ रही हूं **....(व्यवधान)** आप चुप रहेंगी तो मैं पूछूंगी **....(व्यवधान)**

श्री रामजीलाल: महोदया,जैसा आपने कहा था इसका हमें बड़ा दुख हैं,मगर मैं यह आपसे आशा करूंगा कि आपका सारा सदन,विपक्ष भी यहां बैठा हैं,क्या यह

प्रार्थना करेंगे कि इस तरह से बिल अगर सारे देश में कहीं भी हो इस तरह के बिल पेमेंट न करें और वह बिजली लें और बिजली को लेकर कोई घटना हो जाए तो सारा सदन इस तरह से करता हैं तो क्या विपक्ष और सब मिल कर यह कोई आप बयान जारी करेंगे,आप लोगों को कहेंगे कि इस तरह की घटना आगे न हो और जिसने बिल नहीं दिया उसको देना चाहिए तो मैं यह ठीक समझूंगा ....(**व्यवधान**) कल बात हो रही थी,गौतम जी ठीक कह रहे थे जब हम खुद ही ठीक नहीं तो ठीक क्या करेंगे । दुख हैं दुर्घटना हुई,अच्छी नहीं हुई,पुलिस ने अपने बचाव में किया हैं । लेकिन आप सब से मेरी प्रार्थना हैं अगर बिल इस तरह कोई भी,कहीं भी हो आपको कहना चाहिए आपको अखबार के मार्फ्त खबर देनी चाहिए कि इस तरह की घटनाएं और न हों । बिल देना चाहिए । मैं ज्यादा समय न आपका लेता हुआ आपसे कहना चाहूंगा ....(**व्यवधान**)

उपसभापति: मि.रामजीलाल,आप एक मिनट बैठिये ।....(**व्यवधान**) एक मिनट आप बैठिए । देखिए घटना हुई हैं तो उस पर खेद प्रकट कर दीजिए ....(**व्यवधान**) घटना हुई तो खेद प्रकट कर दीजिए सब को अफसोस हैं । फार्मर मरता हैं कहीं दूसरे लोग मारे जाते हैं तो उस पर हम लोगों को अफसोस होता हैं । एक आदमी मारा जाता हैं तो हाउस में अफसोस होता हैं,10 मारे जाएं तो और ज्यादा होता हैं क्योंकि उनकी फैमिलीज़ भी अफैक्ट हुई,यह अलग बात हैं कि उन्होंने नहीं दिया बिजली का बिल जो उनको देना चाहिए था ।उन पर बकाया था । अब बकाया नहीं देने का मतलब गोली से मार देना नहीं हैं । उसके दूसरे समाधान हो सकते हैं । आपने खुद ही अभी हाउस में कहा कि आपने कितना गलत भी बिल अगर आया था आपके टेलीफोन का मगर सरकार ने आप पर गोली तो नहीं चला दिया,सुख राम जी ने गोली तो नहीं आप पर चला दी । इसलिए एक तरह इन्क्वारी करके,आप एक ऐसी स्टेट से आते हैं जिस पर सारे देश को फख़्र हैं । आप इतनी अच्छी वहां खेती करते हैं,किसानों की स्टेट हैं । आप आपने जिस आधार पर आपकी स्टेट खड़ी हैं वही आधार को आप काट देंगे तो फिर आप खड़े कैसे रहेंगे । इसलिए आप जो भी कुछ एक्सप्लेनेशन दे रहे हैं उसकी कोई आज जरूरत नहीं हैं । सिर्फ यह कह दीजिए कि गलत हुआ मालूमात करेंगे,इसकी इन्क्वायरी करेंगे । ....(**व्यवधान**)

श्री रामजीलाल: मैंने सब से पहले खेद प्रकट किया । मैंने कहा कि यह अच्छी बात नहीं हुई । एक सब स्टेशन जला दिया बिजली बोर्ड का रेकार्ड जला दिया,सब कुछ जला कर उन्होंने सत्यानाश किया हैं,उस पर हमें खेद हैं । मेरे कहने का तात्पर्य यह हैं कि महोदया जी आप कह रही हैं ऐसी बात नहीं हैं,कि पुलसि ने अपने बचाव के लिए किया,क्योंकि मैं खुद किसान हूं,सुषमा जी तो शायद किसान नहीं हैं । मैं खुद किसान हूं और सब हाथ से काम किया हुआ हैं और भजन लाल जी भी किसान हैं,और हरियाणा का राज मैं कहना चाहता था कि ....(**व्यवधान**)

उपसभापति: अगर वह ....(**व्यवधान**)

श्री रामजीलाल: हरियाणा की सरकार 1991 से 1994 तक आराम से,सारे शांति और विकास से कार्य कर रही हैं । अब घटना हो गई,वह बदकिस्मती से हो गई । और यह भी हो गई,इसका हमें खेद हैं,अफसोस हैं,लेकिन आज हरियाणा में शांति और अमन हैं । घटना तो घट जाती हैं ....(**व्यवधान**)

उपसभापति: उस की कुछ इन्क्वारी कर रहे हैं

श्री रामजीलाल: रोहतक के कमिश्नर इन्क्वायरी कर रहे हैं । वहां लोंगों को मुआवजा दिया जाएगा । उन की बराबर देखभाल हो रही हैं और सारी पुलिस का तरफ बैठी हैं । उन्होंने पूरा घेराव कर रखा हैं ....(**व्यवधान**)...मुख्य मंत्री जी ने सारी फोर्स हटा ली हैं ....(**व्यवधान**) ... जो वे मनमानी कर रहे हैं,लेकिन पुलिस वहां नहीं जा रही हैं । वह जगह छोड़े हुए हैं ....(**व्यवधान**) ...

उपसभापति: किसान क्या मनमानी कर सकते हैं?

श्री रामजीलाल: इसलिए मैंने कहा,माननीय सदस्या को सारी बात पता नहीं हैं क्योंकि वह तो अंबाला में रहती हैं या दिल्ली में रहती हैं । मैं एक-एक बात को जानता हूं ....(**व्यवधान**) ....

श्रीमती सुषमा स्वराज: आप तो कादमा में रहते हों । मैं तो कभी कादमा गयी नहीं । ....(**व्यवधान**) ...आप तो कादमा रहते हो,मैं तो अंबाला और दिल्ली में रहती हूं ....(**व्यवधान**) ...

उपसभापति: देखिए,यह साधारण बात हैं कि अगर किसानों ने किसी वजह से बिल का पैसा नहीं दिया हैं तो उसकी आप इंक्वायरी करिए,उन पर केस चलाइए और उन से बकाया जरूर लीजिए,वह चाहे इलेक्ट्रिसिटी का हो,पानी का हो या किसी और का हो,मगर गोली चलाना उचित नहीं हैं ।

श्री विनोद शर्मा: मैडम,उन के ऊपर गोली पैसा लेने के लिए नहीं चलाई गई । वहां जो भीड़ इकट्ठी हुई थी,वह पब्लिक प्रॉपर्टी को जलाने की कोशिश कर रही थी,लोगों की जिन्दगी खतरे में थी । अब सेल्फ डिफेंस में अगर गोली चलायी गयी हैं तो उसके बारे में यह कहा जा रहा हैं । गुमराह किया जा रहा हैं कि उन से उगाई करने के लिए

% गोली चलायी गयी हैं । सदन को गुमराह किया जा रहा हैं ....(**व्यवधान**)

श्रीमती सुषमा स्वराज: महोदया,सरकार ने कल न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं,लेकिन मुझे दुख हैं कि सरकार के प्रतिनिधि यहां पर पहले से ही उन को बरी कर रहे हैं । मैडम,यह बड़ी सीरियस बात हैं,न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं सरकार ने और यह पहले ही खड़े होकर उन को बरी कर रहे हैं । यह पहले ही जवाब दे रहे हैं कि सेल्फ-डिफेंस में गोली चलायी हैं ।

उपसभापति: अगर सेल्फ-डिफेंस में पुलिस ने गोली चलायी हैं तो कृपाया उसकी जूडिशियल इंक्वायरी करा लीजिए । जूडिशियल इंक्वायरी कराकर मालूम कर लीजिए कि किस की गलती हैं क्योंकि जो जान गयी हैं,वह तो चली गयी और वह इंक्वायरी से वापिस नहीं आएगी ।

श्री विनोद शर्मा: मैडम,यह स्टेट गवर्नमेंट का सब्जैक्ट हैं और इस बारे में ....(**व्यवधान**) ....

उपसभापति: स्टेट गवर्नमेंट के सब्जैक्ट सेंट्रल गवर्नमेंट उठाती हैं । कल आप उठाएंगे तो मैं आप को अलाउ करूंगी । इस हाउस में बहुत बार उठे हैं और यह इम्पोर्टेन्ट मामला हैं । यह लोगों की जान का सवाल हैं,अगर अफसोस प्रकट करके आप बैठ जाएंगे तो ज्यादा बेहतर होगा । जो कुछ सफाई आप दे रहे हैं, वह मेरे सामने देने से कोई फायदा नहीं होगा । आप को सफाई देनी हैं तो जो इंक्वायरी कमेटी बिठायी हैं आप की सरकार ने उनके सामने दीजिए ताकि जिन लोगों के साथ अन्याय हुआ हैं,उन्हें उसका मुआवजा मिले और जिन्होंने अन्याय किया हैं,उन्हें उस की सज़ा मिले क्योंकि आप दोनों ने वह जगह देखी होगी,मैंने तो वह जगह नहीं देखी हैं । तो मैं यहा" सीट ऑफ जजमेंट" पर बैठकर यह नहीं कहूंगी कि कौनसी बात सही हैं,कौन सी गलत हैं । मगर इतना जरूर कहूंगी कि जब तक सबूत न हो कि वह वाकयी जला ही रहा हैं,उसके ऊपर गोली चलाना उचित नहीं हैं । आप बैठ जाइए और अब यह बता कृपया खत्म कर दीजिए ।

श्री एस.एस.सुरजेवाला(हरियाणा): मैडम,मैं यह कहना चाहूंगा कि जो किसान मरे हैं,जो फायरिंग हुई हैं उस का बहुत अफसोस हैं । सरकार ने इंक्वायरी ऑर्डर कर दी हैं और यह भी कहा है कि इंक्वायरी ऑर्डर कर दी हैं और यह भी कहा हैं कि इंक्वायरी के फलस्वरूप अगर किसी अधिकार से कोई " एक्सेस" या ज्यादती की हैं फायरिंग करने में,उन को सजा दी जाएगी और हम भी इस बात की ताईद करेंगे कि अगर पुलिस की या किसी ने ज्यादती की हैं तो उन के खिलाफ कार्यवाही की जाए,लेकिन जैसाकि और दूसरे दोस्तों ने बताया,यह घटना केवल तीन गांव की हैं,साढ़े तीन सौ गांव की बात नहीं हैं ।

तीन गांव के किसानों ने बिजली के बिल नहीं दिए और बहुत दफा उन के साथ नेगोशिएशन के बाद समय दिया गया,लेकिन जब उन्होंने बिजली घर का घेराव किया और जो अधिकारी थे उन को बिजली घर के मारे में बंद कर दिया । उन को जब खतरा था तो पुलिस का यह कहना हैं कि इन हालात में फायरिंग हुई । तब वहां इन हालात में फायरिंग हुई,लेकिन असल इसका निर्णय जो हैं वह केवल इंक्वायरी के बाद ही हो सकता हैं । हमको पूरी उन्मीद हैं कि सरकार जो हैं,अगर कोई कसूरवार होगा तो उसको जा देगी । किसान जो हैं,और जो मरे हैं उनको भी सरकार मुआवजा देगी,उनके आंसू पोंछेगी । हमारी किसानों से भी दरखास्त हैं कि उनका भी इस काम में कोई फायदा नहीं हैं । बिजलीघर जो उन्होंने जला दिया,जो पहले ही उन्हें बिजली कम मिलती थी और अब जब बिजली घर जल गया हैं जो जरा सोचें कि वह भी कितने दिन में बनेगा । यानी उन्होंने अपने ही पांव काट लिए ।

उपसभापति: जल गया ?

श्री एस.एस.सुरजेवाला: जी,जला दिया बिजली घर भी ।

श्रीमती सुषमा स्वराज: किसने जलाया ?

उपसभापति: अब वह तो इंक्वायरी बताएगी ।

श्री एस.एस.सुरजेवाला: जो मोब था उसने बिजली घर भी जला दिया हैं । यह रिपोर्ट हैं । ....(**व्यवधान**)

श्री के.आर.मलकानी: फायरिंग से पहले या फायरिंग के बाद ?

श्री एस.एस.सुरजेवाला: अब मैं प्रत्यक्षदर्शी नहीं हूं । जो रिपोर्ट हैं ....(**व्यवधान**)....

THE DEPUTY CHAIRMAN: We arc not sitting on an inquisition here. Neither did he do it nor am I the judge.

SHRI K. R. MALKANI: The thing should be made clear.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please. Let him speak.

श्री एस.एस.सुरजेवाला: इस सारे मामले को निष्कर्षमय तरीके से इनको देखना चाहिए । इसमें कोई पक्षपात की बात नहीं हैं । धन्यवाद ।

उपसभापति: ठीक हैं । श्री जगमोहन ।

श्रीमती सुषमा स्वराज: आपको धन्यवाद मैडम,जो आपने साथ दिया